C-10

दृष्टि बाधितों की समस्याएँ (Problems of Visually Impaired)

दृष्टि बाधित बच्चों को अधिगम, व्यावहारिक व समायोजन सम्बन्धी विभिन्न समस्याएँ होती है दृष्टि बाधितों की कुछ समस्याएँ इस प्रकार है।

(1) शिक्षा सम्बन्धी समस्या – दृष्टि बाधित बच्चों की की शैक्षिक उपलब्धि सामान्य बच्चों की अपेक्षा कम होती है। दृष्टि बाधित बच्चे अवलोकन नहीं कर सकते। उनके ज्ञान के स्रोत श्रव्य व स्पर्श इन्द्रियों तक सीमित रहते हैं। ये बालक मन्द गति तथ्यों तथा सूचनाओं को बोधगम्य कर पाते हैं।

(2) बुद्धिलब्धि का स्तर — दृष्टि बाधित बच्चों की बुद्धिलब्धि भी सामान्य बच्चों से कम होती है अधिकांश बुद्धि परीक्षणों से ज्ञान, अनुभव तथा सूचनाओं पर आधारित प्रश्न होते है इसलिए इनका बुद्धिलब्धि स्तर कम होते हैं।

(3) समायोजन सम्बन्धि समस्या — दृष्टि बाधित बच्चों को समाज में ही हीन दृष्टि से देखा जाता है इन्हें बहुत-सी व्यक्तिगत व सामाजिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए इन्हें समाज में समायोजन करने में कठिनाई आती है।

(4) निम्न वाणी विकास — पूर्ण रूप से दृष्टि बाधित बालक वाणी की कला और कौशल का अनुकरण नहीं कर सकते है। ये बच्चे शब्दों का उच्चारण व उपयोग में कठि में कठिनाई का अनुभव करते हैं।

Scanned with CamScanner

(5) व्यक्तित्व — दृष्टि बाधित बच्चो का व्यक्तित्व सामान्य बच्चो के व्यक्तित्व से भिन्न होते है। इन बच्चो मे असुरक्षा व विक्षिप्तता अधिक रहती है जो व्यक्तित्व के विकास को प्रभावित करती है। व्यक्तित्व के विकास मे वंशानुक्रम व वातावरण दोनो का विशेष महत्व है। दृष्टि बाधित बालको का समुचित वातावरण और जीवन के अनुभवो से उनके व्यक्तित्व का विकास अपने ही प्रकार से होता है।

(6) देखने मे असुविधा — होने के कारण इन्हे चलने - फिरने उठने - बैठने, अपनी दिनचर्या सम्बन्धी कार्यो को करने, विद्यालय आने - जाने और उसकी गतिविधियो मे भाग लेने मे असुविधा होती है।

(7) उन्हे अपने दृष्टिकोणो के कारण कुछ विशेष उपकरणो सामग्री व सहायको की आवश्यकता होती है जिससे वे अपने प्राकृतिक एंव सामाजिक परिवेश तथा व्यवस्था के साथ उचित समायोजन न कर सके।

शैक्षिक प्रावधान
(Educational Provisions)

दृष्टि बाधित बच्चो की अपनी आवश्यकताएँ व समस्याएँ होती है। इसलिए इनकी शिक्षा देखभाल व समायोजन की विशेष आवश्यकता होती है। दृष्टि बाधित बच्चों की शिक्षा के लिए सुमान्य बच्चो से अलग कार्यक्रम बनाये जाते है। हमारे देश मे दृष्टि बाधितो

Scanned with CamScanner

APPOINTMENTS NOTES

09 की शिक्षा सम्बन्धी सुविधाओ को निम्न दो भागों मे बाटा जाता है—

(1) विशेष आवासीय संस्थान (Special Residential Institution)

अत्यधिक दृष्टि बाधित बच्चो को आमतौर पर आवासीय स्कूलो मे रखा जाता है। विशेष प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक ऐसे विद्यालयो मे दृष्टिहीनो को पढ़ाने के लिए ब्रेल लिपि का प्रयोग करते है ऐसे बच्चो के लिए बनाया गया पाठ्यक्रम उसी स्तर के सामान्य बच्चो के समान होते है। इस प्रकार के संस्थानो मे बच्चो की शिक्षा, रुचि संगीत सामाजिक क्रियाओ और खेल आदि सम्बन्धी क्रियाओ को समर्थन व सहयोग प्रदान किया जाता है।

(2) एकीकृत विद्यालय ढांचा (Integrated School setting)

इस प्रकार के विद्यालयो मे आंशिक रूप से दृष्टि बाधित बच्चो को शिक्षित किया जाता है। एकीकरण के आधार पर दृष्टि बाधितो व सामान्य बच्चो के लिए एक जैसी शिक्षा व्यवस्था की जाती है।

Scanned with CamScanner

दृष्टि बाधित बच्चो के लिए एकीकृत शिक्षा
Integrated Education for the Visually Impaired

10

बहुत से दृष्टि बाधित बच्चो को सामान्य विद्यालय मे ही शिक्षा दी जा सकती है। ये बच्चो सुनकर व स्पर्श द्वारा सूचना ग्रहण करते है। क्योकि ये केवल सुनकर व स्पर्श द्वारा ज्ञान ग्रहण करते है। इसलिए धनात्मक पाठ्यक्रम को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए धनात्मक पाठ्यक्रम द्वारा उन्हे सीखने मे सहायक मिलती है और उनके लिए सुविधाजनन होती है कौशलो के विकास से सीखने मे सरलता होती है। धनात्मक पाठ्यक्रम से निम्न ६: क्षेत्र शामिल

(1) ब्रेन लिपि (Braille)

(2) रुचि या ज्ञान व गतिशीलता (Orientation and Mobility)

(3) सहायता समाग्री का उपयोग (use of equipments)

(4) सामाजिक कौशलो का विकास (Development of Social Skills)

(5) दिनचर्या सम्बन्धी कौशल (Daily Living skills)

(6) विविध इन्द्रियो का प्रशिक्षण (Multi sensory Training)

(1) **ब्रेन लिपि** — यह अन्धो के लिए पढ़ने-लिखने की एक मूल प्रणाली है। इस लिपि का प्रतिपादन लुईस ब्रेली (Louis Braille) ने 1829 मे लिपि ने किया जो एक फ्रांसीसी संगीतकार थे। पूर्ण रूप से अन्धो व जिनको बहुत ही कम दिखाई देता है उनके लिए ब्रेल प्रणाली का उपयोग किया

Success is the sole earthly judge of right and wrong. ❖

Scanned with CamScanner

जाता है। यह 6 डाट सेल की बनी होती है जो 63 भिन्न - भिन्न चरित्रों को बताती है 26 बिन्दुओ (Dots) का प्रयोग 26 अक्षरो (Alphabets) के लिए किया जाता है तथा बाकी 33 बिन्दु चिन्हो आदि का प्रतिनिधित्व करते है। ब्रेल प्रणाली मे प्रायः दो लिखने के दो वर्णन किया जाता है —

(i) Perkins Brailler (ii) The slate and Stylus.

Perkins Brailler मे 6 चाबियाँ होती है।

पिंजरो की हर एक dot के लिए। इन बिन्दुओ (Dots) पर 1 से 6 तक नम्बर दिये जाते है तथा उन 6 नम्बरो पर ब्रेल अक्षरो (Alphabet) का प्रयोग किया जाता है।

Slate और Stylus ब्रेल प्रणाली Perkins Brailler से अधिक कठिन होती है। इस प्रणाली मे छात्रो को स्पर्श व महसूस करके ब्रेल लिपि को पढ़ना होता होता है। इसके बाद इसी तरह ब्रेल लिपि को याद किया जाता है।

आजकल ब्रेल लिपि को विकसित करने के लिए (Computer Braille Printers) का प्रयोग किया जा रहा है।

Scanned with CamScanner

(2) रुचि / रुझान व गतिशीलता — बच्चो की रुचि व योग्यता के अनुसार उन्हे आवश्यक वस्तुऐं उपलब्ध करानी चाहिए। इसका आधार श्रवण क्षमता, स्पर्श, सुगंध, स्वाद आदि होना चाहिए लोगो द्वारा परामर्श और मशीनी उपकरणो का प्रयोग करके दृष्टि बाधित बच्चो के गतिशील बनाया जा सकता है। ऐसे बच्चो की मानसिक मानचित्र बनाने मे सहायता करनी चाहिए जिससे वे उन्हे दूरी व दिशा का ज्ञान प्राप्त हो जाये उनको इस प्रकार की शिक्षा दी जाये जिससे वे कम व ज्यादा मे फर्क कर सके और अपने रास्ते की बाधाओं को को पार कर सके।

(3) सामाजिक कौशल का विकास — दृष्टि बाधित बच्चो के लिए समाजीकरण एक समस्या है। इनमे इनमे सामाजिक कौशल का आभाव होता है। इन्हे अपने साथी बच्चो द्वारा हीन दृष्टि से देखा जाता है वे इन्हे आसानी से अपना नही पाते। अतः इनमे सामाजिक कौशल विकसित करने के लिए शाब्दिक अभिप्रेरणा दी जानी चाहिए। सामाजिक अच्छे व्यवहारो के लिए प्रोत्साहित किया जाये। साथी समूह द्वारा अपनाये जाये। कक्षा मे बोलने का अवसर दिया जाये, जिससे उनमे आत्मविश्वास का विकास हो सके उत्तम आचरण का प्रशिक्षण दिये जाये।

Scanned with CamScanner